Sixteenth Loksabha

pan>

Title: Need to give compensation to family of the farmers committing suicide.

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज): उपाध्यक्ष महोदय, आज 9 अगस्त है और जिन लोगों ने आजादी की लड़ाई लड़ी, उन्हें हमने श्रद्धासुमन अर्पित किए। मैं कहना चाहता हूं कि आज भी हमारे किसान ऋण की जकड़ में हैं। 36 हजार किसानों ने तीन साल में आत्महत्याएं की हैं, यानी तीन हजार किसान हर साल आत्महत्या करते हैं और प्रतिदिन के हिसाब से देखें तो 33 किसान हर रोज आत्महत्या करते हैं। उनकी कर्ज माफी की मांग बार-बार उठती है। सरकार एमएसपी की बात कर रही है, लेकिन स्वामीनाथन आयोग ने बहुत से सुझाव दिए थे, उसके अंदर एक सुझाव सी2+50 परसेंट का था। इसे सरकार नहीं कर रही है। हमें प्रक्योरमेंट का नेटवर्क बढ़ाना पड़ेगा। आप किसान को बिना उचित मुआवजा दिए उसकी जमीन जबरदस्ती नहीं ले सकते हैं। मेरा कहना है कि जब वे बूढ़े हो जाते हैं तो उन्हें कम से कम पांच हजार रुपये की पेंशन मिलनी चाहिए, ताकि गरीब किसान या खेतिहर मजदूर अपना खर्च चला सकें। खेतिहर मजदूरों को मिनिमम वेजेज भी नहीं मिलता है। आज किसान खेती के लिए बिजली, पानी आदि की मांग करते हुए पूरे देश के जिलों में इकट्ठे हुए और उन्होंने जेल भरो का नारा दिया । कई जगहों पर लाठी चार्ज हुआ है। कई जगह किसानों को जेल में डाला गया। सरकार को सोचना चाहिए कि आज क्यों किसान खेत छोड़ कर सड़कों पर हैं। फसल बीमा के नाम पर इंश्योरेंस कम्पनियां फायदा ले रही हैं, लेकिन किसानों के बारे में कोई सोच नहीं रहा है ।

इन मांगों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Md. Badaruddoza Khan is permitted to associate with the issue raised by Shri Mohammad Salim.